Baba’s Praise

11/2/2015

- उनको **परम आत्मा, सुप्रीम सोल** कहा जाता है । वह कभी **पुनर्जन्म तो लेते नहीं** हैं ।

- **शिव परमात्माए नम** : कहते हैं ना । **उस ऊंच ते ऊँच बाप** को भूल गये हैं, सिर्फ त्रिमूर्ति का चित्र दे दिया है ऊपर में शिव तो जरूर होना चाहिए, जिससे यह समझे कि इनका **रचयिता शिव** है ।

- शिवबाबा द्वारा फिर **पेनी से पाउण्ड** बने हैं ।

- **डाक्टर आफ स्प्रीचुअल नॉलेज** एक ही बाप है । बाप को **सर्जन** भी कहा जाता है ना । **रूहानी सर्जन** है एक बाप, जो रूह को इंजेक्शन लगाते हैं । यह बाप तो है **अविनाशी ज्ञान सर्जन ।** योगबल से तुम एवरहेल्दी बनते हो ।

- आत्माओं में जो विकारों की खाद पड़ी है, उसे निकालना, **पतित को पावन बनाकर सद्गति देना**-यह बाप में शक्ति है । **ऑलमाइटी पतित-पावन एक फादर** है । ऑलमाइटी कोई मनुष्य को नहीं कह सकते हैं । सर्व को अपनी शक्ति से सद्गति दे देते हैं । सर्व का सद्गति दाता एक है ।

- उनको कहेंगे **डॉक्टर ऑफ स्प्रीचुअल नॉलेज** । डॉक्टर आफ फिलॉसॉफी- यह तो ढेर के ढेर मनुष्य हैं । स्प्रीचुअल डॉक्टर एक है ।

- मैं आया ही हूँ **पवित्र दुनिया स्थापन करने**, फिर तुम पतित क्यों बनते हो?

- यह तो **पतियों का पति** है, उनको याद करना है ।

- अभी बाप कहते हैं मैं **पतित-पावन** हूँ, मामेकम् याद करो । तुम मुझे बुलाते हो हे पतित-पावन आओ । पतितें से पावन बनाने वाला और कोई है नहीं, सिवाए बाप के ।